नवभारत
भोपाल, मंगलवार 24 मार्च 2026

छतरपुर का बजट 370 से 580 करोड़ होगा

बजट में भारी बढ़ोतरी, अधूरे प्रोजेक्ट्स पर उठे सवाल, पिछले साल से 210 करोड़ ज्यादा बजट

छतरपुर, 23 मार्च. नगर पालिका परिषद आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अपने इतिहास का सबसे बड़ा बजट पेश करने की तैयारी में है. प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, मार्च के अंतिम सप्ताह में करीब 580 करोड़ का बजट पेश किया

- सीवर और बस स्टैंड प्रोजेक्ट अटके
- पार्षद बोले- जमीनी हकीकत से दूर योजना

जा सकता है. प्रशासन इसे शहर के विकास का मास्टर प्लान बता रहा है, लेकिन जनप्रतिनिधियों ने इसे 'आंकड़ों का खेल' बताते हुए तीखा विरोध शुरू कर दिया है.

पिछले वर्ष मार्च 2025 में नगर पालिका का बजट 370 करोड़ था, जो इस बार बढ़कर 580 करोड़ प्रस्तावित किया जा रहा है. यानी कुल 210 करोड़ की बढ़ोतरी की गई है. मुख्य नगरपालिका अधिकारी माधुरी शर्मा के अनुसार, बजट बैठक 25 मार्च के आसपास प्रस्तावित है और इसमें शहर के बुनियादी ढांचे, सड़क, पानी, सीवर और अन्य निर्माण कार्यों पर विशेष फोकस रहेगा.

हालांकि, बजट का आकार बढ़ने के बावजूद कई बड़े प्रोजेक्ट अब तक फाइलों में ही कैद हैं. ?165 करोड़ का सीवर लाइन प्रोजेक्ट पिछले तीन वर्षों से ड्राइंग के अभाव में अटका हुआ है. वहीं ?100 करोड़ की लागत से प्रस्तावित नया बस स्टैंड भी अब तक धरातल पर नहीं उतर सका है. वार्ड नंबर 8 और 19 में सामुदायिक भवनों का निर्माण कार्य भी वर्क ऑर्डर जारी न होने के कारण लंबित है.

> इसी मुद्दे को लेकर पार्षदों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. कांग्रेस पार्षद सुशील शिवहरे और शिवसिंह यादव समेत अन्य जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि बजट तैयार करते समय वार्ड स्तर की जरूरतों को नजरअंदाज किया गया है. उनका कहना है कि अधिकारी एसी कमरों में बैठकर बजट बना रहे हैं, जबकि जमीनी समस्याओं से उनका कोई सीधा सरोकार नहीं है. पार्षदों ने यह भी सवाल उठाया कि पिछले साल स्वीकृत 82 प्रस्तावों में से करीब 40 प्रतिशत काम आज तक शुरू ही नहीं हो पाए हैं. ऐसे में बजट बढ़ाने का औचित्य क्या है? उनका मानना है कि जब तक पुराने प्रोजेक्ट पूरे नहीं होते, तब तक नए बजट प्रावधान सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे. छतरपुर शहर में जर्जर सड़कें, अधूरी निर्माण परियोजनाएं और मूलभूत सुविधाओं की कमी आज भी बड़ी समस्या बनी हुई हैं. ऐसे में ?580 करोड़ के इस बजट से जनता को कितनी राहत मिलेगी, यह आने वाला समय ही बताएगा. फिलहाल बजट से ज्यादा उसके क्रियान्वयन पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

शहीद दिवस पर आदिवासी महिलाओं का बड़ा ऐलान

खून से लिखेंगी पीएम को पत्र

छतरपुर, 23 मार्च. बिजावर क्षेत्र में केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासी, किसान और महिलाएं अब आंदोलन को तेज करने की तैयारी में हैं. शहीद दिवस के मौके पर प्रभावित महिलाओं ने खून से प्रधानमंत्री को पत्र लिखने और सांकेतिक फांसी देने जैसे उग्र विरोध का ऐलान किया है.

- केन-बेतवा लिंक से प्रभावितों का उग्र प्रदर्शन
- सांकेतिक फांसी देने की चेतावनी

जय किसान संगठन के नेता अमित भटनागर ने बीती शाम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अब तक केवल झूठे आश्वासन दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि सर्वे, ग्राम सभा, दस्तावेजों की जांच और पुनर्वास से जुड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं.

> प्रभावितों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा लगातार दमनात्मक रवैया अपनाया जा रहा है और उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है. उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा. इस विरोध प्रदर्शन को लेकर क्षेत्र में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है. वहीं, शहीद दिवस पर होने वाले इस प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई जा सकती है.

22 साल इंतजार, फिर मिला आश्वासन

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री राव उदय प्रताप सिंह

छतरपुर, 23 मार्च. नौगांव क्षेत्र के लुगासी गांव स्थित छत्रसाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी के बावजूद शासकीयकरण को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका. लंबे समय से इस मांग को लेकर उम्मीद लगाए बैठे ग्रामीणों को एक बार फिर केवल आश्वासन ही मिला, जिससे कार्यक्रम के बीच मायूसी का माहौल नजर आया.

- लुगासी के छत्रसाल स्कूल में पहुंचे मंत्री
- ग्रामीणों में फैसला न होने से निराशा

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के साथ हुई. विद्यालय के प्राचार्य संजीव तिवारी ने स्कूल की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी. इस अवसर पर संस्थापक दानदाता राव भोपाल सिंह जूदेव की प्रतिमा का अनावरण किया गया. कार्यक्रम में कामाख्या प्रताप सिंह, मानवेंद्र सिंह और हरगोविंद सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे. हालांकि, इस पूरे आयोजन का केंद्र बिंदु विद्यालय के शासकीयकरण की मांग रही, जिसका इंतजार ग्रामीण पिछले 22 वर्षों से कर रहे हैं. लोगों को उम्मीद थी कि मंत्री इस पर कोई बड़ी घोषणा करेंगे, लेकिन उन्होंने केवल प्रक्रिया जारी होने और जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया.

> ग्रामीणों का कहना है कि हर बार इसी तरह आश्वासन दिया जाता है, लेकिन जमीन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता. यही कारण है कि इस बार भी लोगों को निराशा हाथ लगी. वर्ष 1973 में स्थापित यह विद्यालय एक समय 40 से अधिक गांवों और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के छात्रों के लिए प्रमुख शिक्षा केंद्र रहा है. वर्तमान में यह अर्ध-शासकीय व्यवस्था में संचालित हो रहा है, जहां केवल प्राचार्य को ही सरकारी वेतन मिलता है, जबकि अन्य शिक्षकों की स्थिति स्पष्ट नहीं है. ग्रामीणों का मानना है कि यदि विद्यालय का शासकीयकरण हो जाता है, तो शिक्षकों की कमी दूर होगी.

स्टे के बावजूद निर्माण, बढ़ा विवाद

पीतांबरा मंदिर के पास प्लॉट पर काम जारी, पुलिस चार बार रुकवा चुकी

छतरपुर, 23 मार्च. शहर के सटई रोड स्थित पीतांबरा मंदिर के पास एक विवादित प्लॉट पर न्यायालय के स्टे आदेश के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने का मामला सामने आया है. इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल बन गया है और कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. पीड़ित राजेश चौरसिया ने थाना सिविल लाइन में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद संबंधित पक्ष लगातार निर्माण कार्य कर रहा है. उनका कहना है कि पुलिस अब तक चार बार मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा चुकी है, लेकिन हर बार कुछ समय बाद दोबारा काम शुरू कर दिया जाता है.

जानकारी के मुताबिक, यह मामला अनुविभागीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) न्यायालय में विचाराधीन है. न्यायालय ने धारा 164 के तहत दोनों पक्षों को यथास्थिति बनाए रखने और किसी भी प्रकार का निर्माण न करने के निर्देश दिए हैं. इसके बावजूद अनावेदक पक्ष पर आदेश की अवहेलना कर जबरन निर्माण कराने के आरोप लगाए जा रहे हैं. लगातार हो रही इस अवहेलना से क्षेत्र में विवाद की स्थिति बनी हुई है और स्थानीय लोगों में भी असंतोष बढ़ रहा है. पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि मामले में सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित हो सके.

बेटे-बहू का माता-पिता पर हमला

संपत्ति विवाद में बुजुर्ग दंपत्ति घायल

छतरपुर, 23 मार्च. जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां बेटे और बहू ने मिलकर अपने ही माता-पिता पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया. इस हमले में 60 वर्षीय आशा वाल्मीकि और उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

- जिला अस्पताल में इलाज जारी

घायल आशा वाल्मीकि ने बताया कि उनके बेटे ने कुछ वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था, जिसके बाद से ही घर में लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई थी. उनका आरोप है कि बहू का व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं था और वह लगातार घर व संपत्ति में हिस्सेदारी की मांग कर रही थी. आशा के अनुसार, उनके पति लंबे समय से बीमार हैं और घर की जिम्मेदारी वह खुद मेहनत करके निभा रही हैं. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बहू घर के कामों में सहयोग नहीं करती थी और छोटी-छोटी बातों पर विवाद करती रहती थी.

बसारी गेट में दुकानदार से मारपीट

छतरपुर. बसारी गेट इलाके में एक दुकानदार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. जानकारी के अनुसार, नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में दुकान संचालन को लेकर पहले विवाद की स्थिति बनी थी. हालांकि, ईद के मौके पर आपसी सौहार्द का उदाहरण भी देखने को मिला, जब मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिंदू दुकानदारों का फूल देकर स्वागत किया था. आरोप है कि इसी दुकानदार से देर रात कुछ युवकों ने मस्जिद के बाहर दुकान लगाने के एवज में पैसों की मांग की. जब दुकानदार ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी.

भ्रष्टाचार में धंसी 8.65 लाख दीवार

निर्माण पूरा होने से पहले दीवार धंसी

चंदला, 23 मार्च. क्षेत्र के लवकुशनगर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत भवानीपुर में पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल निर्माण में भारी अनियमितताओं का मामला सामने आया है. करीब ?8.65 लाख की लागत से बन रही यह बाउंड्रीवाल निर्माण पूरा होने से पहले ही जर्जर हालत में पहुंच गई है, जिससे गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

- भवानीपुर पंचायत में बाउंड्रीवॉल जर्जर
- सरपंच-सचिव और उपयंत्री पर आरोप

ग्रामीणों के अनुसार दीवार की पुताई तक पूरी नहीं हुई और कई स्थानों पर वह धंसने लगी है. जगह-जगह दरारें साफ दिखाई दे रही हैं और कुछ हिस्सों में दीवार टूटकर बिखर रही है. स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए दीवार कभी भी गिर सकती है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में सरपंच, सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत से घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है. उनका कहना है कि कमीशनखोरी के चलते निर्माण के मानकों को नजरअंदाज किया गया, जिसके कारण काम शुरू होते ही उसकी पोल खुल गई. मामले में यह भी आरोप है कि उपयंत्री द्वारा बिना स्थल निरीक्षण और गुणवत्ता जांच के ही कार्य का मूल्यांकन कर भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है. कागजों में निर्माण को बेहतर दिखाया जा रहा है, जबकि जमीन पर स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है.

> ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है. वहीं, लवकुशनगर जनपद सीईओ पी.एल. यादव ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है, उपयंत्री को भेजकर जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी.

सिविल लाइन थाने में गुंडा परेड

छतरपुर, 23 मार्च. जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार सख्त कदम उठा रही है. इसी क्रम में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विभिन्न थानों में 'गुंडा परेड' आयोजित की जा रही है. बीती शाम सिविल लाइन थाना परिसर में भी चिन्हित बदमाशों और आदतन अपराधियों को बुलाकर सख्त चेतावनी दी गई. थाना परिसर में आयोजित इस कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बदमाशों की गतिविधियों की समीक्षा की और उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए कि वे भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों से दूर रहें.

कंदेला पंचायत में बिना सड़क निकाले 3.50 लाख

चंदला , 23 मार्च. क्षेत्र के गौरिहार जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कंदेला में निर्माण कार्यों में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है. ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर मिलीभगत कर बिना सीसी रोड बनाए ही करीब ?3.50 लाख की राशि निकालने का आरोप लगाया है.

बनी सड़क भी घटिया, टूटने लगी
जांच के आदेश, कार्रवाई का इंतजार

ग्रामीणों के अनुसार, पांचवें वित्त आयोग की राशि से कंदेला बाबा स्थान से बैजू पटेल के घर तक सीसी रोड और नाली निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था, लेकिन मौके पर कोई कार्य नहीं कराया गया. इसके बावजूद 7 जनवरी 2026 को अलग-अलग नामों से भुगतान निकाल लिया गया. बताया गया कि रामबिहारी पटेल के नाम से ?90 हजार और ?89,200 तथा अखलेश पटेल के नाम से ?60 हजार की राशि आहरित की गई. इसके अलावा, आंगनबाड़ी भवन से मुन्ना प्रजापति के मकान तक प्रस्तावित सीसी रोड में भी गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं. इस कार्य के नाम पर अखलेश पटेल के खाते में ?42 हजार और कामता ट्रेडर्स के नाम ?58 हजार अग्रिम भुगतान किया गया, जबकि मौके पर निर्माण कार्य नजर नहीं आ रहा है. ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जो सड़क हाल ही में बनाई गई है, उसकी गुणवत्ता बेहद खराब है और वह एक महीने के भीतर ही टूटकर बिखरने लगी है. इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं. मामले को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

> इस संबंध में गौरिहार जनपद के एसडीओ मधु प्रजापति ने बताया कि मामले की जांच के लिए पत्र जारी कर दिया गया है. अब देखना होगा कि जांच के बाद क्या कार्रवाई होती है.

डिजिटल ठगी नेटवर्क ध्वस्त एक आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर, 23 मार्च. सिविल लाइन थाना पुलिस ने साइबर ठगी के एक संगठित 'म्यूल नेटवर्क' का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है. पन्ना रोड स्थित हेलीपैड ग्राउंड पर संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने रात के दौरान दबिश दी, जहां एक आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया गया.

लैपटॉप, मोबाइल, एटीएम किट बरामद
5 आरोपियों का नेटवर्क आया सामने

पकड़े गए आरोपी के पास से पुलिस ने एक पूरी 'डिजिटल किट' बरामद की है, जिसमें 2 लैपटॉप, 4 एंड्रॉयड मोबाइल, 4 एटीएम किट, कई सिम कार्ड और बैंक खातों का रिकॉर्ड रखने वाला रजिस्टर शामिल है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन म्यूल बैंक खातों का उपयोग देशभर में ऑनलाइन ठगी के लिए किया जा रहा था. जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है. पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान प्रकाश चंद्र विश्वकर्मा के रूप में बताई, जो कियोस्क के माध्यम से फर्जी बैंक खाते खोलता था और उनसे जुड़ी एटीएम किट अन्य आरोपियों को उपलब्ध कराता था. जांच में यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क में सलमान राइन, प्रथम चौरसिया, ऋषि चौरसिया और सुरेश प्रजापति भी शामिल हैं, जो मिलकर इस ठगी गिरोह को संचालित कर रहे थे.

> यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सोनी के निर्देशन में थाना प्रभारी सतीश सिंह और उनकी टीम द्वारा की गई. पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क के जरिए देश के कई हिस्सों में ठगी को अंजाम दिया जा रहा था, जिसकी गहन जांच जारी है.

नवरात्रि | आल्हा-ऊदल की कुलदेवी के दर्शन को जुटे हजारों श्रद्धालु

माँ बड़ी चंद्रिका के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

(प्रियंका सिंह)

महोबा, 23 मार्च. उत्तर प्रदेश के वीर प्रसूता बुंदेलखंड की धरती आज 'जय माता दी' के जयकारों से गुंजायमान है. चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर जनपद के ऐतिहासिक 'माँ बड़ी चंद्रिका देवी' मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा. श्रद्धा और विश्वास के इस प्रमुख केंद्र में न केवल महोबा, बल्कि दूर-दराज के जनपदों से भी श्रद्धालु माँ का आशीर्वाद लेने पहुँचे.

चंदेल कालीन गौरव और वीर आल्हा-ऊदल की गाथा- माँ बड़ी चंद्रिका देवी का यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि बुंदेलखंड के गौरवशाली इतिहास का साक्षी भी है. चंदेल शासन काल के दौरान निर्मित यह मंदिर अपनी प्राचीन वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है. ऐतिहासिक महत्व: स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बुंदेलखंड के अमर सेनानी आल्हा और ऊदल युद्ध पर जाने से पहले माँ बड़ी चंद्रिका के चरणों में शीश नवाते थे. माना जाता है कि माँ के आशीर्वाद से ही उन्हें अदम्य साहस और विजय प्राप्त होती थी. आज भी यहाँ की हवाओं में उस वीरता और भक्ति का संगम महसूस

भक्तों की अटूट आस्था

मंदिर परिसर में नारियल, चुनरी और पुष्प अर्पित करने के लिए लंबी कतारें लगी हुई हैं. मंदिर की मान्यता है कि यहाँ जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मुराद लेकर आता है, माँ उसकी झोली कभी खाली नहीं रखतीं. दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के चेहरों पर एक विशेष प्रकार की शांति और सकारात्मक ऊर्जा दिखाई दे रही है.

सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं. जगह-जगह स्वयंसेवक तैनात हैं ताकि वृद्धों और बच्चों को दर्शन में असुविधा न हो. रात्रि में होने वाली माँ की भव्य आरती आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी हुई है, जिसमें हजारों की संख्या में दीप प्रज्वलित किए जा रहे हैं.

4 माह में पैदल नर्मदा परिक्रमा पूरी कर लौटे आनंद यादव

नवभारत न्यूज

विदिशा 23 मार्च. ग्राम कराई के नर्मदा भक्त आनंद यादव ने पैदल नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर 23 मार्च 2026 को अपने गांव लौटकर एक मिसाल पेश की. उन्होंने 1 नवंबर 2025 से यह यात्रा प्रारंभ की थी और करीब 4 माह में लगभग 3400 किलोमीटर की कठिन यात्रा पूरी की. गांव पहुंचने पर ग्रामीणों एवं परिजनों ने उनका भव्य स्वागत कर शुभकामनाएं दीं. आनंद यादव ने अपनी इस यात्रा को ईश्वरीय कृपा का परिणाम बताते हुए कहा कि यह यात्रा उन्होंने अकेले नहीं, बल्कि मां नर्मदा की कृपा से पूर्ण की है.